an>

Title: Regarding permanent offices for elected representatives.

श्री महेश गिरी (पूर्वी दिल्ली) : अध्यक्ष महोदया, एक समस्या मेरे क्षेत्र में है और दिल्ली में उसे लगभग सभी एम.पी. भी फेस कर रहे हैं। यह समस्या दिखने में सामान्य है, पर बहुत गंभीर भी है और देश की प्रगति को गति देने के लिए बहुत ही आवश्यक है।

अध्यक्ष महोदया, जब कोई माननीय सदस्य मंत्री बनते हैं तो उनका ऑफिस तय होता है, कोई वाइस चांसलर बनता है तो उसका ऑफिस तय होता है, कोई क्लास-वन अफसर बनता है तो उसका ऑफिस तय होता है। क्लास-फोर अफसर के भी बैठने की ज़गह तय होती है। क्लास-फोर अफसर बदलते रहते हैं, पर वह ज़गह और वह ऑफिस कभी नहीं बदलते तो लोगों के पास जो समस्याएं होती हैं तो उन्हें पता होता है कि किस समस्या के लिए किस ऑफिस में जाएं। मेरा अनुरोध है और मैं यह अनुरोध इसलिए कर रहा हूं क्योंकि इससे देश की जनता सफर हो रही है। जब-जब चुनाव आते हैं तो जो व्यक्ति सांसद बनते हैं, वे अगले चुनाव में सांसद रहेंगे या नहीं रहेंगे, इसका पता नहीं होता। पर, जनता तो वही होती है, उसकी समस्याएं भी वहीं होती हैं। जब कोई सांसद बनता है तो वह अपने घर पर अपना ऑफिस बना लेता है। पिछले सांसद ने कोई काम किया होता है तो उसे सरकारी विभाग देखता है। जब कोई नया सांसद आता है तो उसे यह भी नहीं पता होता कि पिछले कौन-से काम रूके हुए हैं, किस काम पर ध्यान देना है और जनता को भी नयी-नयी ज़गहों पर जाना पड़ता है।

मैं सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि क्या हम ऐसा कोई प्रावधान रख सकते हैं कि अपने क्षेत्र में हमारे लिए एक ऑफिस तय हो जाए? मैंने कई एम.पी. से बात की। कुछ ने कहा कि उनके राज्य में डी.एम. अपने यहां एक ऑफिस देता है। इससे लोगों को पता होता है कि उन्हें कहां जाना है? पर, दिल्ली में यह नहीं है।...(व्यवधान) कई माननीय सदस्य कह रहे हैं कि उनके यहां ऐसा प्रावधान है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, आप मेरी रिक्वेस्ट समझिए। मैं स्टेट का केवल एग्ज़ाम्पल दे रहा हूं। जैसे दिल्ली में नयी सरकार आयी है। आज जितने एम.एल.ए. आए हैं तो पुरानी सरकारों ने जो काम किए, एम.एल.एज. ने जो काम किए, वह नए एम.एल.एज. को नहीं पता है। इससे वहां की प्रगति एक-दो साल के लिए पीछे चली जाती है।

मेरा आग्रह है कि इस पर ध्यान दिया जाए। इससे देश की प्रगति को गति भी मिलेगी। जिस एम.पी. का एरिया 40 किलोमीटर का है, उसे कहीं भी जाने में दो-तीन घंटे लग जाते हैं। यदि उनका ऑफिस तय होता है तो लोगों को पहले ही दिन वह बता सकता है कि वे इस ऑफिस में आएं। इससे वे दिक्कतें नहीं आएंगी। मेरा अनुरोध है कि इसमें सरकार ध्यान दे।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री अश्विनी कुमार चौबे,

डॉ. सत्यपाल सिंह,

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत,

श्री रामचरण बोहरा,

डॉ. मनोज राजोरिया,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्रीमती कृष्णा राज,

श्री राम प्रसाद सरमा,

श्रीमती किरण खेर,

साध्वी सावित्री बाई फूले,

श्रीमती रंजनबेन भट्ट,

श्री रमेश बिधूड़ी,

श्रीमती रीती पाठक,

श्रीमती संतोष अहलावत एवं

श्रीमती अंजू बाला को श्री महेश गिरी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

â€¦(व्यवधान)